IndiaFirst
LIFE INSURANCE

Publication : Rahat Times **Date : Tuesday, 19th November, 2013**
Edition : Lucknow

इण्डिया फर्स्ट लाईफ के भारतीय जीवन बीमा उद्योग में सफलतापूर्वक चार साल पूरे

मुम्बई, 18 नवम्बर। देश की नई एवं सबसे तेज़ी से विकसित होती हुई जीवन बीमा कम्पनियों में से एक, इण्डिया फर्स्ट ने भारतीय बीमा उद्योग में अपने चौथे साल को भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। 475 करोड़ रु की शेयर पूंजी के साथ, इण्डिया फर्स्ट आज 5000 से ज़्यादा बैंक शाखाओं के माध्यम से देश के 1000 से ज्यादा शहरों एवं नगरों में अपनी सशक्त मौजूदगी बना चुकी है। 16 नवम्बर 2009 में अपनी गतिविधियों की शुरुआत करने के बाद, कम्पनी ने ऐसे साधारण एवं किफ़ायती उत्पादों को पेश किया है, जो आम आदमी के लिए समझने में आसान हैं और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हैं। इस अवसर पर अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए इण्डिया फर्स्ट लाईफ इन्श्योरेन्स के प्रबन्ध निदेशक डॉ. पी नन्दगोपाल ने बताया, ''इण्डिया फर्स्ट में पिछले चार सालों के दौरान हमारी यात्रा बेहद चुनौतीपूर्ण किंतु उत्साहजनक रही है। हमें गर्व है कि हमारे नाम के अनुसार हमने हमेशा से उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी है। अत्याधुनिक प्रोद्यौगिकी के इस्तेमाल के साथ हम हमारे हितधारकों को उत्कृष्ट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहें हैं।''देश में आर्थिक संकट एवं बीमा उद्योग में मौजूदा बदलावों के बावजूद कम्पनी ने वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए 34 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की है; इस साल के दौरान कम्पनी ने 1.74 मिलियन से ज़्यादा जीवन बीमा किए हैं। जहां एक ओर नए बिज़नेस प्रीमियम के लिए कम्पनी का परिचालन व्यय 16 फीसदी रहा है, वहीं दूसरी ओर यह जोखिम को समायोजित करते हुए अपने उपभोक्ताओं को बेहतर रिटर्न प्रदान करती आई है। 5000 करोड़ रु के न्ड के साथ, कम्पनी ने 200 से अधिक कोरपोरेट उपभोक्ताओं के साथ कोरपोरेट बिजनेस सेगमेन्ट में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

''इस साल हम माइक्रो, हेल्थ और पेन्शन पर फोकस करने की योजना बना रहें हैं। आने वाले समय में हम हमारे डिजिटल चैनल एवं वैकल्पिक रीटेल के माध्यम से हमारी वितरण प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाएंगे।'' डॉ. नन्दगोपाल ने अपनी बात को जारी रखते हुए बताया।

A Joint Venture of
Bank of Baroda Legal & General ANDHRA BANK